जन्नत और अन्य कहानियां

खुशवंत सिंह

Jannat Aur Anya Kahaniyan

by Khushwant Singh

प्रकाशकः पेंगुइन बुक्स, यात्रा बुक्स के सहयोग से
प्रकाशितः मार्च 2005
भाषाः हिंदी
मुद्रणः पेंगुइन
मूल्यः रु 150.00
आई एस बी एनः 0144000415
ऐडिशनः पेपर बैक
फ़ॉरमेटः बी
पृष्ठः 188 pp
वर्गीकरणः कहानी-संग्रह
क्षेत्र अधिकारः विश्व

- **Published by** Penguin Books India in association with Yatra Books
- **Published:** March 2005
- **Language:** Hindi
- **Imprint:** Penguin
- **Special Price:** Rs. 150.00
- **Cover Price:** Rs. 150.00
- **ISBN:** 0144000415
- **Edition:** Paperback
- **Format:** B
- **Extent:** 188pp
- **Classification:** Fiction
- **Rights:** World

मारग्रेट ब्लूम न्यूयॉर्क से अपनी आत्मा की खोज में हरिद्वार आती है। पर शीघ्र ही वह समझ जाती है कि पवित्र-पावनी गंगा के तट पर भीला लसाएं हैं। ज्योतिषी और प्राचीन हिंदू शास्त्रों के पंडित मदन मोहन पांडे यह जानकर सन्नाटे में आ जाते हैं कि उनकी मासूम सी दुल्हन उनकी आशा के एकदम विपरीत है।

धर्मपरायण ज़ोरा सिंह, देश का गौरव, जो चार सौ बीस और अय्याश होने के लिए बदनाम है, भारत रत्न कासम्मान पाकर अपने विरोधियों का मुंह बंद कर देता है। जब कई बार चुपचाप पीर साहब की मज़ार पर जाने के बाद देवीलाल की बहू पुत्र को जन्म देती है,तो वह ईश्वर के अन्याय को भूल जाता है। और मौत के मुंह से बचाकर आया विजय लाल तय करता है कि अपने मन में करुणा चौधरी के प्रतिपलती हसरतों को पूरा करेगा, उसकी यह ललक उसे ख़ान मार्केट के पीछे फिरने वाले एक घुमक्कड़ ज्योतिषी तक लेजाती है।

अनेक वर्ष बाद लघु कथा लेखन की ओर दुबारा लौटे खुशवंत सिंह ने निस्संदेह एक यादगार संग्रह प्रस्तुत किया है—हास्य-व्यंग्य पूर्ण, विचारोत्तेजक, बेबाक और मर्मस्पर्शी भी।

लेखक परिचयः

खुशवंत सिंह हिंदुस्तान के मशहूर लेखक और कॉलमनिस्ट हैं। वे योजना के संस्थापक-संपादक, और 'इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ़ इंडिया', 'द नेशन हेराल्ड' और 'दहिंदुस्तान टाइम्स' के संपादक रह चुके हैं।

उन्होंने अनेक पुस्तकें भी लिखी हैं, जिनमें उपन्यास 'ट्रेन टू पाकिस्तान', 'डेल्ही' और 'द कंपनी ऑफ़ वीमन',दो खंडों में लिखा श्रेष्ठ ग्रंथ 'ए हिस्ट्री ऑफ़ द सिख्स', और अनेक अनुवाद तथा सिख धर्म तथा संस्कृति, प्रकृति और ज्वलंत समस्याओं पर कथेतर साहित्य शामिल है। वर्ष 2002 में उनकी आत्मकथा,'ट्रूथ, लव एंड ए लिटिल मैलिस', पहली बार प्रकाशित हुई। 1980-1986 तक खुशवंत सिंह सांसद भी रहे। 1974 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने 1984 में भारतीय सेना के स्वर्ण मंदिर में घुसने के विरोध में वापस कर दिया था।

अपने इस कहानी-संग्रह में हिंदुस्तान के मशहूर लेखक ने कुछ ज्वलंत प्रश्नों को उठाया हैः हम चमत्कारों में विश्वास क्यों करते हैं? क्या जन्मकुंडली अच्छी पत्नीकी गारंटी है? क्या कामसूत्र नवविवाहितों के लिए उपयोगी गाइड है?